वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 228 | शनिवार 16 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा ने भजनलाल के सिर पर हाथ रखा : सचिवालय पहुंचकर चार्ज दिलवाया

शपथ लेते ही एक्शन में भजनलाल

राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा एक्शन मोड पर आ गए हैं। पद की शपथ लेने के साथ ही उन्होंने शुक्रवार रात को अधिकारियों की बैठक ली और दो बड़े निर्णय किए हैं। सीएम भजन लाल शर्मा ने सीएमओ में प्रेस वार्ता में कहा कि पेपर लीक के मामलों को गंभीर मानते हुए सीएम ने एसआईटी का गठन किया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह स्पेशल टास्क फोर्स पेपर लीक के मामलों पर त्वरित कार्रवाई करेगी। भविष्य में कोई पेपर लीक नहीं हो, ये सुनिश्चित किया जाएगा, जिन्होंने भी पेपर लीक किए हैं उनको छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही प्रदेश में महिला और बालिकाओं के खिलाफ किसी तरह का अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संगठित अपराधों पर कार्रवाई के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। यह फोर्स एडीजीपी के नेतृत्व में रहेगी।

जयपुर. कासं

भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उनके साथ दो डिप्टी सीएम दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ली है। तीनों को राज्यपाल कलराज मिश्र ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। भजनलाल ने प्रधानमंत्री का अभिवादन किया तो मोदी ने उनकी पीठ थपथपाई। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत देर तक हंसी-मजाक करते रहे। शपथ के बाद भजनलाल ने कहा कि मैं भावुक और नतमस्तक हूं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का संकल्प सर्वोपरि है। राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध, और आत्मनिर्भर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद उन्होंने सचिवालय पहुंचकर पूजा-पाठ के साथ मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला। कार्यभार ग्रहण करवाने के लिए उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समेत कई केंद्रीय मंत्री सचिवालय पहुंचे थे। पदभार ग्रहण करने के बाद भजनलाल ने वसुंधरा राजे को मिठाई खिलाई, वहीं वसुंधरा ने भजनलाल के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। बैरवा और दीया कुमारी ने भी चार्ज संभाल लिया है। इस दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। भजनलाल और दीया कुमारी को चार्ज दिलवाने के लिए भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता पहुंचे जबकि प्रेमचंद बैरवा ने सिर्फ परिवार के सदस्यों के मौजूदगी में कार्यभार ग्रहण किया। बैरवा भजनलाल के सचिवालय पहुंचने से पहले ही कार्यभार ग्रहण कर चुके थे। दीया कुमारी को सचिन पायलट वाला और प्रेमचंद बैरवा को प्रताप सिंह खाचरियावास का कमरा मिला है। इधर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ऑफिस में तीन आईएएस अफसरों की नियुक्ति के आदेश जारी हो गए हैं। टी रविकांत को मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव, आनंदी को सचिव और सौम्या झा को संयुक्त सचिव बनाया गया है। तीनों की नियुक्तियां अस्थायी तौर पर की हैं, तीनों अपने मौजूदा पदों पर भी काम करते रहेंगे। शपथ समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहुंचे। वे शपथ ग्रहण शुरू होने के करीब आधे घंटे पहले ही अल्बर्ट हॉल पहुंच गए थे। वे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के साथ बैठे थे। तीनों देर तक हंसी-मजाक करते रहे। दो दिन पहले ही गजेंद्र सिंह की याचिका पर गहलोत के खिलाफ मानहानि का केस चलने का फैसला हुआ है।

शपथ से पहले मां-बाप के पैर धोए

शुक्रवार 15 दिसम्बर को भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी था। उनके परिवार ने अपने अस्थायी ठिकाने चंबल पावर हाउस के गेस्ट हाउस में बर्थ डे सेलिब्रेट भी किया। पहले उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। वहीं, मनोनीत डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने शपथ लेने से पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए और डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भी गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए। भजनलाल पहले सीएम हैं, जिन्होंने अपने जन्मदिन पर शपथ ली है।

नहाते समय सबसे पहले सर पर पानी क्यों नहीं डालना चाहिए?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

देखा जाए तो नहाना या स्नान करना हम एक सामान्य प्रकिया के तौर पर लेते हैं। अरे, नहाना ही तो है; इसमें कौन सी बड़ी बात है? फटाफट बाथरूम में जाना है और नहाकर निकल जाना है। लेकिन, ठहरिए, ठहरिए !! स्नान करने या नहाने में हमें थोड़ी सी सावधानी बरतने की जरुरत है। वो क्या है ? हमारे जीवन शैली के बारे में हमारे पूर्वजों और ऋषि-मुनियों ने बहुत सारी बाते बताई हैं, जो वैज्ञानिक रूप से भी तार्किक मानी जाती हैं। सवाल यह है कि नहाते समय सबसे पहले सर पर पानी क्यों नहीं डालना चाहिए? इसके महत्त्वपूर्ण कारण यह हैं:- इसका सरल सा जवाब यह है कि दरअसल, शरीर में सिर वाला हिस्सा सबसे ज्यादा गर्म होता है और पैर वाला हिस्सा सबसे ठंडा होता है। ऐसे में जब हम सिर पर पहले पानी डालते हैं तो शरीर का टेम्परेचर अचानक से डाउन हो जाता है। सिर पर पहले पानी डालने का नुकसान ये होता है कि पूरे शरीर से ब्लड इंसान के सिर तक पहुंचता है। जिससे किसी को भी चक्कर आ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लड सकुर्लेशन ऊपर से नीचे यानी सिर से पैर की तरफ होता है। सिर पर सीधे ठंडा पानी पड़ने की वजह से मस्तिष्क की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं और सिर भी ठंडा होने लगता है। इससे शरीर में खून का प्रवाह अचानक से कम हो जाता है। दरअसल, ब्लड का सकुर्लेशन ऊपर से नीचे होने के चलते दिमाग की नस फटने या हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ जाता है। हालांकि, ये समस्या आम तौर पर दिल के मरीजों को हो सकती है। सामान्य लोग नहाने के इस तरीके से बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं होते हैं लेकिन नहाने का सही तरीका यही होना चाहिए कि सबसे पहले पाँव को भिगोना चाहिए। पैरों से शुरूआत करके अपनी जाँघों पर, फिर पेट पर , उसके बाद अन्य हिस्सों पर पानी डालना चाहिए । इसका मतलब नहाने की शुरूआत नीचे से करनी चाहिए और फिर ऊपर जाना चाहिए। ऐसा करने से इंसान को मानसिक शक्ति मिलती है और तनाव से मुक्ति भी मिलती है। कुछ लोगों का मानना है कि ये हमारे समाज में फैलाई गई भ्रांति है कि 'ज्यादातर ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक बाथरूम में आता है।' लेकिन मैं यहाँ यही कहना चाहूँगी कि या भ्रांति नहीं बल्कि एक सच्चाई है। अब निश्चित रूप से ऐसा कहने के पीछे कोई न कोई महत्त्वपूर्ण और सही तथ्य जरूर होगा। इसकी पुष्टि के लिए एक उदाहरण देना चाहूँगा। मेरा एक मित्र है, जो नैरोबी के दिनों से मित्र हैं ,दो साल पहले हमारे घर की शादी में आए थे। वे हमारे परिवार के सदस्य जैसे हो गए थे। वो दिल्ली में रहते थे। पिछले साल मई के महीने में अचानक सोशल मीडिया पर उनके न रहने की खबर आयी। पढ़कर विश्वास नहीं हुआ कि क्या हुआ होगा? कहीं कोविड तो नहीं? थोड़े दिनों बाद हमने फोन किया और उनके पति से बातें हुई तो मालूम पड़ा कि उनकी पत्नी की मौत बाथरूम में नहाने के दौरान हो गई। उन्होंने पूरी घटना हमें बताई। वो सुबह का नाश्ता बनाकर अपने पति से यह कहकर नहाने गईं कि नहाकर आते हैं, फिर साथ में नाश्ता करेंगे। भाई साहब ने बताया कि उनकी पत्नी जब एक घंटे के बाद भी बाथरूम से नहीं निकली, तो वो खुद उन्हें देखने गए। किसी तरह बाशरूम खुलवाने के बाद देखा तो उनकी पत्नी बेसुध गिरी हुई थीं। उन्हें बाहर लाकर डॉक्टर को दिखाया गया तो मालूम पड़ा कि सीधे सर पर ठंडा पानी डाल लेने से उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हो गया था हार्ट ने काम करना बंद कर दिया था। विश्वास नहीं हो रहा था कि एक अच्छा खासा स्वस्थ इंसान इस तरह से जा सकता है। जबकि उन्हें ब्लड प्रेशर था और कुछ नहीं। पर जो दुर्घटना हुई उसकी वजह यही थी कि गर्मी में सर पर एकदम से ठंडा पानी डालना। जरुरी नहीं है कि सबके साथ यही हो, लेकिन जानते हुए किसी को भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। इसलिए मैंने इसका जवाब लिखना जरुरी समझा।

भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से संपन्न

खाचरियावास में चल रहे भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का तीसरा दिन। विशाल शोभायात्रा के साथ श्रीजी को नगर भ्रमण करवाया। नवीन वेदी में विराजे श्रीजी

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। क्षेत्र के खाचरियावास के श्री महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर में प.पु.आर्यिका गुरुमां नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में चल रहे भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित हुआ।कार्यक्रम में तीसरे दिन शुक्रवार को सुबह श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन,आर्यिका माताजी की आहारचर्या हुई।जिसके बाद श्रीजी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमे हाथी-घोड़ों पर इंद्र इंद्राणीयां सवार होकर श्रीजी को रथ में विराजमान कर गाजे बाजे के साथ नाचते गाते और भक्ति से झूमते हुए श्रद्धालु शामिल हुए।शोभायात्रा कस्बे के

मुख्य मार्गों से होते हुए जैन मंदिर पहुंची।वही ड्रोन से शोभायात्रा में पुष्प वर्षा की गई।शोभायात्रा के मंदिर में आने के बाद श्रीजी को वेदी में विराजमान,शिखर कलशारोहण, ध्वजरोहण किया गया।आपको बता दे तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव माताजी आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य और माताजी के संघस्थ ब्रह्मचारिणी डॉ करुणा दीदी और दीपा दीदी,पंडित प्रतिष्ठाचार्य डॉ सनतकुमार जैन,पंडित रमेश चंद्र शास्त्री जोबनेर के निर्देशन में संपन्न हुआ। वही सोधर्म इंद्र अशोक कुमार निर्मला देवी गंगवाल,धन कुबेर ताराचंद -कंचनदेवी बड़जात्या,यज्ञनायक मनोहरकुमार -विमलादेवी बड़जात्या,ईशानइंद्र अशोककुमार -पिंकीदेवी बड़जात्या,सानंतकुमार इंद्र कुन्दनमल -रविकांता बड़जात्या, माहेद्रइंद्र अजितकुमार- मंजुदेवी गंगवाल, बह्मइंद्र विजयकुमार बबिता बड़जात्या सहित अन्य इंद्र इंद्राणियां ने विधि विधान के साथ भक्ति भाव से पूजा अर्चना की।इस अवसर पर भैंसलाना रेनवाल, सांभर, फुलेरा, हिंगोनिया, जोबनेर, दांता, नावां,सुरेरा,खोराबीसल,जयपुर सहित अन्य क्षेत्रों सैकडो श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान खाचरियावास जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप गंगवाल,उपाध्यक्ष विजय गंगवाल,कोषाध्यक्ष मनोज बड़जात्या,मंत्री सुनील बड़जात्या,अमरचंद दीवान खोराबीसल,अजय जैन सूरत,कैलाशचंद जैन,टीकमचंद जैन,राहुलकुमार आदि मौजूद रहें।

उज्जैन में नेमिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

डॉ मोहन यादव ने एक दिन पूर्व मुनिश्री से लिया आशीर्वाद अगले दिन बने मुख्यमंत्री, निकली भव्य नेमि बारात

उज्जैन. शाबाश इंडिया। पौराणिक, ऐतिहासिक नगरी उज्जैन में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणत सागर जी महाराज के सानिध्य में नगर के दशहरा मैदान में श्री नेमिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भारी उत्साह के साथ 9 से 15 दिसम्बर 2023 तक सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऋषिनगर उज्जैन में नव निर्मित भव्य उतुंग मानस्तम्भ बनकर तैयार हुआ है। आयोजन में सौधर्म इंद्र प्रमोद जैन व भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य अशोक जैन ठेकेदार को प्राप्त हुआ। पंचकल्याणक महोत्सव में जन्म कल्याणक के दिन नव निर्वाचित विधायक माननीय डॉ मोहन यादव मुनिश्री से आशीर्वाद लेने पहुँचे और अगले ही दिन उनके मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने की घोषणा हो गयी। माननीय डॉ मोहन यादव 14 नवंबर को भी पिच्छी परिवर्तन समारोह में मुनिश्री का आशीर्वाद लेने पहुँचे थे। मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के बाद अगले ही दिन मुख्यमंत्री ने अपने प्रतिनिधि को भेजकर मुनिश्री से आशीर्वाद लिया। समिति के अध्यक्ष अशोक जैसवाल, महामंत्री अरविंद बुखारिया ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव में भव्य नेमि बारात निकाली गई जो आकर्षण का केंद्र रही। महोत्सव के अंतिम दिन विभिन्न स्थानों से आए रथों में बैठाकर भव्य रथ यात्रा निकाली गई। आयोजन में कर्नाटक से आयी बैण्ड पार्टी आकर्षक का केंद्र रही।विधि विधान प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश विनम्र गुड़गांव, डॉ हरिश्चंद्र जैन, पंडित अखलेश जैन ने संपन्न कराया। ब्रह्मचारी साकेत भैया का निर्देशन रहा। आयोजन के बीच 13 दिसम्बर 2023 को मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज का जन्म दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। **-डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर**

तीये की बैठक

हमारे पूज्यनीय

श्री नवनिधी राय जैन (लुहाड़िया)

का स्वर्गवास दिनांक शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 को हो गया है। जिनके तीये की बैठक रविवार, 17 दिसंबर 2023 को प्रात: 9:00 बजे जैन भवन भट्टारक जी की नसियां में होगी। तीये की बैठक के पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल: धनपत राय, सम्पत राय,(भ्राता) राजेंद्र झ्र डॉ प्रभा, नरेंद्र-उर्मिला, वीरेंद्र- अंजली (पुत्र एवं पुत्र वधु), राजकुमारी -पदम राय वैद (पुत्री एवं पुत्री दामाद), मुकेश (भतीजा), गौरव-निधि, वैभव-अनुभी, रोहित-तरु (पौत्र पौत्र वधु), एकता-संदीप, प्रियंका- मोहित, अदिति - रौनक (पोत्री एवं पोत्री दामाद) अथर्व, निविद (पड़ पौत्र), अनुपम एवं अभिनव (दोहिते) एवम समस्त लुहाड़िया परिवार।

ससुराल पक्ष: अनूप चंद, भारत,पंकज सोगानी ।

वेद ज्ञान

मेरा कुछ भी नहीं

मनुष्य में जो कुछ भी शक्ति है, वह उसकी अपनी नहीं है। यह बात याद रखनी चाहिए कि मेरा कुछ भी नहीं है। जब मनुष्य के मन में यह भावना उठती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। आप लोग इस दुनिया में आए हैं। इसलिए आपको बहुत कुछ करना है। वस्तुतः दुनिया में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे एषणा वृत्ति काम करती है। एषणा है इच्छा को कार्य रूप देने का प्रयास। जहां इच्छा है और इच्छा के अनुसार काम करने की चेष्टा है, उसे कहते हैं एषणा। दुनिया में जो कुछ भी है, एषणा से ही है। परमात्मा की एषणा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है। जब परमपुरुष की एषणा और मनुष्य की व्यक्तिगत एषणा एक साथ काम करती है तो उस स्थिति में कर्म में मनुष्य सिद्धि पाते हैं, किंतु वे सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है। परमपुरुष की एषणा की पूर्ति हुई है। वह जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। आपकी ख्वाहिश भी वैसी थी। इसलिए आपके मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। आपकी इच्छा की पूर्ति नहीं होती है। उनकी इच्छा की पूर्ति होती है। वे अपनी इच्छा के अनुसार काम करते हैं, किंतु मनुष्य के मन में आनंद तब होता है, जब मनुष्य यह जान लेता है कि उनकी इच्छा की पूर्ति हो गई। इसलिए बुद्धिमान मनुष्य इस संदर्भ में क्या करते हैं? वे सोचते हैं कि परमात्मा की इच्छा इसमें क्या है। उसी इच्छा को मैं अपनी इच्छा भी बना लूं। वे देखते हैं कि परमात्मा की जो एषणा है उसके पीछे कौन सी वृत्ति है? वह है इस दुनिया का कल्याण हो। कल्याण हो यही है परमात्मा की एषणा। इसलिए शास्त्र में परमात्मा का एक नाम कल्याणसुंदरम भी है। परमात्मा सुंदर क्यों हैं? चूंकि उनमें कल्याण वृत्ति है। इसलिए वे सुंदर हैं। परमात्मा हर जीव की नजर में सुंदर हैं, क्योंकि वे कल्याणसुंदरम हैं। साधक केवल अपने आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे। यह मनोभाव साधक का नहीं है। इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप माने अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना। ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय जनसेवा है।

संपादकीय

खुदरा महंगाई पिछले तीन महीने के उच्च स्तर पर

करीब दो महीने पहले बाजार में वस्तुओं की खुदरा कीमतों में कुछ गिरावट की वजह से आम लोगों को जो फौरी राहत मिली थी, वह अब एक बार फिर छिन गई लगती है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की वस्तुओं के दाम में बढ़ोतरी की वजह से खुदरा महंगाई पिछले तीन महीने के उच्चस्तर यानी 5.55 फीसद पर पहुंच गई। दरअसल, बीते अगस्त से खाद्य वस्तुओं के दाम में कमी आने की वजह से महंगाई दर में कमी आ रही थी। इसी क्रम में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई अक्टूबर में 4.87 फीसद पर आ गई थी। तब लोगों को यही लगा था कि पिछले करीब तीन साल से बाजार में बहुत सारी जरूरी वस्तुओं तक जिस तरह उनकी पहुंच नहीं हो पा रही थी, उससे अब राहत मिलेगी। मगर यह भाव ज्यादा दिन नहीं टिक सका। अक्टूबर में रोजमर्रा के जरूरी सामान की कीमतों में नरमी की वजह से जो उम्मीद जगी थी,

वह नवंबर में छिन गई। अब महंगाई की दर भले ही साढ़े पांच फीसद के आसपास यानी रिजर्व बैंक की ओर से अधिकतम सीमा के दायरे में हो, मगर यह उसके करीब भी है। वस्तुओं की खुदरा कीमतें इस स्तर पर पहुंचने के बाद एक बड़ी आबादी खाने-पीने तक को लेकर अपने हाथ समेटने लगती है। हालांकि माना जाता है कि ठंड के मौसम की शुरूआत के बाद खासतौर पर बाजार में सब्जियों की आमद बढ़ने की वजह से कीमतों में कमी आती है, लेकिन ताजा आंकड़े इसके अनुकूल नहीं दिख रहे। सही है कि करीब तीन साल पहले महामारी की वजह से जो हालात पैदा हुए, उससे उबरने में देश को काफी वक्त लगा और अब भी कई क्षेत्र खुद को संभालने की कोशिश में हैं। मगर बहुत सारे मामलों में बाजार में सहजता आई है और इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर भी देखने में आया। अब अगर स्थितियों में सुधार आने के साथ-साथ औद्योगिक से लेकर खाद्यान्न उत्पादन के स्तर पर भी उम्मीदें जगी हैं, तब ऐसी स्थिति में बढ़ती महंगाई एक प्रतिकूल स्थितियां ही पैदा करेगा। खासतौर पर खाने-पीने के सामान की कीमतें अगर आम लोगों की पहुंच से दूर होने लगती हैं, तो इसका सीधा असर उनके बाकी खर्चों पर पड़ता है। महंगाई के मोर्चे पर तात्कालिक राहत मिलने के बाद उम्मीदों के धुंधले होने की वजहें कोई छिपी नहीं रही हैं। खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी के लिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया गया है। दरअसल, नवंबर महीने में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई थी, जिसके कारण खाद्य महंगाई दर 8.70 फीसद जा पहुंची। यह अक्टूबर में 6.61 फीसद थी। सवाल है कि अगर इस कारण को चिह्नित किया गया है, तब सरकार के संबंधित महकमे यह सुनिश्चित करने में नाकाम क्यों हो जाते हैं कि बाजार में मांग के अनुपात में जरूरी वस्तुओं, खासतौर पर खाने-पीने के सामान की आपूर्ति में सहजता बनी रहे। यह जगजाहिर तथ्य है कि अगर मौसम में उथल-पुथल से उत्पादन प्रभावित होने या फिर अन्य वजहों से बाजार में किसी वस्तु की आपूर्ति कम होती है, तो इसका फायदा उठा कर कुछ कारोबारी कीमतों के मामले में मनमानी करना शुरू कर देते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारी चूक

मौजूदा संसद सत्र के दौरान बुधवार दोपहर को लोकसभा में जो हुआ, उससे यही पता चलता है कि देश की राजधानी में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत की सुरक्षा व्यवस्था भी घोषित दावे के आईने में किस हालत में है। गौरतलब है कि संसद में लोकसभा के भीतर चलती सदन में दर्शक दीर्घा से दो युवक ऊपर से कूदे और उन्होंने 'स्मोग स्प्रे' के जरिए धुआं फैला दिया। जाहिर है, उनके पास ऐसी चीजें थीं, जिन्हें संसद के भीतर ले जाना प्रतिबंधित है। सवाल है कि संसद परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के दाखिल होने को लेकर बहुस्तरीय और कई परतों में किए गए सुरक्षा जांच इंतजामों के बावजूद ऐसा कैसे संभव हुआ! लोकसभा के भीतर पहुंचे दो लोगों ने जो किया, अब पकड़े जाने के बाद अब उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया चलेगी। मगर इससे यही पता चलता है कि युवकों के अपने मकसद को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसके भीतर जाने की इजाजत मिलने की प्रक्रिया में शामिल लोगों के अलावा संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने वाली इकाई की भी है, जिसमें लापरवाही बरती गई। संसद के बाहर भी एक महिला सहित दो लोगों को इसी तरह की हरकत करते और नारे लगाते पकड़ा गया। इस समूचे मामले में छह लोगों को शामिल बताया गया है। संसद में हुई इस घटना को महज इसलिए कम करके नहीं आंका जा सकता कि उसमें कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई और चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, यह संसद की सुरक्षा-व्यवस्था में भारी चूक का मामला है और इस मसले पर गंभीर चिंता होनी चाहिए। संसद में जनप्रतिनिधियों के बैठने की जगह पर पहुंचे आरोपियों ने एक तरह से 'सीमित हमले' को अंजाम दिया। कल्पना की जा सकती है कि अगर उनके पास कोई और घातक वस्तु होती तो क्या हो सकता था! सामान्य दिनों में भी संसद परिसर में प्रवेश को लेकर कई सख्त पैमाने तय हैं। संसद का अपना एक मजबूत सुरक्षा तंत्र है और भीतर जाने वाले हर बाहरी व्यक्ति को सांसद या अधिकृत अफसर की सिफारिश से पास बनवाना पड़ता है और उनके सभी सामान की बेहद बारीकी से जांच की जाती है। नई संसद को खासतौर पर पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल तकनीकों से लैस किया गया है और आंतरिक व्यवस्था को मजबूत किया गया है। मगर इतने व्यापक इंतजाम के बावजूद अगर कुछ लोग सदन में जाकर मनमर्जी करने में कामयाब हो जाते हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय करने की जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था में किस स्तर पर चूक हुई। विडंबना यह है कि यह घटना ठीक उसी तारीख को हुई, जिस दिन बाईस वर्ष पहले 13 दिसंबर, 2001 को कुछ आतंकवादियों ने पुराने संसद भवन पर हमला किया था, जिसमें कुल चौदह लोगों की जान चली गई थी। वह घटना इतिहास में दर्ज है और तब भी संसद की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई थी। उस तरह की किसी भी घटना का सबसे बड़ा और प्राथमिक सबक यह होना चाहिए था कि कम से कम उसके बाद हर स्तर पर ऐसी तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में उस तरह का दूसरा मामला किसी भी हाल में संभव न हो सके। जब नई संसद बनी तब इसके बारे में यह भी दावा किया गया कि यह सुरक्षा व्यवस्था की कई दीवारों से लैस है और इसमें कोई आपराधिक वारदात संभव नहीं है। मगर दो लोगों ने बाकायदा लोकसभा में जाकर इस दावे को एक तरह से आईना दिखाया है। जरूरत इस बात की है कि कम से कम अब मौजूदा सुरक्षा तंत्र की व्यापक समीक्षा हो और उसे सौ फीसद अभेद्य बनाया जाए।

आचार्य सौरभ सागर जी का इंजीनियर्स कॉलोनी मांग्यवास में हुआ मंगल प्रवेश

नवीन जिनालय का हुआ भूमि पूजन, उमड़े श्रद्धालु स्थापित की शिलाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनियों में शुमार मानसरोवर के नजदीक स्थित न्यू सांगानेर रोड़ के इंजीनियर्स कॉलोनी दिगंबर जैन चेत्यालय में शुक्रवार को दोपहर प्रातः 8 बजे आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य आचार्य सौरभ सागर महाराज का मंगल प्रवेश संपन्न हुआ। आचार्य श्री ने प्रातः 6.45 बजे त्रिवेणी नगर स्थित जैन मंदिर से विहार यात्रा प्रारंभ करते हुए वीटी रोड़, न्यू सांगानेर रोड़ होते हुए स्वर्ण गार्डन पर प्रवेश किया जहां पर इंजीनियर्स कॉलोनी जैन समाज और कमल चंद तारा देवी छाबड़ा परिवार ने बैंड - बाजों और जयकारों के साथ अगवानी की और आचार्यश्री की यात्रा को जुलूस का रूप देकर जैन चेत्यालय में मंगल प्रवेश संपन्न करवाया। मंदिर पहुंचने पर आचार्य सौरभ सागर महाराज ने भगवान शांतिनाथ स्वामी के दर्शन किए, इसके उपरांत आचार्य श्री ने नवीन जिनालय भूमि पर पर्दापण कर मंत्रोच्चारण के साथ जिनालय की नींव

स्थापना संपन्न करवाई। इस अवसर पर पं धर्मचंद शास्त्री के निर्देशन में जिनालय स्थापना पूजन करवा कलश स्थापना करवा, उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा जैन धर्म के नियमानुसार मंत्रोच्चारण के साथ शिलाएं स्थापित करवाई गई। इस दौरान बगरू विधायक कैलाश वर्मा, राजस्थान जैन सभा के पूर्व अध्यक्ष वयोवृद्ध श्रेष्ठी रतनलाल छाबड़ा, राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन पांड्या, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, संरक्षक राजेंद्र बड़जात्या, प्रवक्ता मयंक जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, वरुण पथ अध्यक्ष एमपी जैन, उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी, मंत्री ज्ञान बिलाला, पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन खेड़ली वाले, सीए मनीष जैन, सपन जैन, रवि जैन, गौरव जैन, अनिल जैन, समाचार जगत के चक्रेश जैन, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका, हरक चंद छाबड़ा, मोती छाबड़ा, राजेश छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इंजीनियर्स कॉलोनी जैन चेत्यालय संस्थापक सदस्य मनीष छाबड़ा ने जानकारी देते हुए बताया की शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से इंजीनियर्स कॉलोनी में नवीन जैन मंदिर जिनालय का भूमि पूजन समारोह आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य पं धर्म चंद शास्त्री (आष्टापद, गुरुग्राम) के निर्देशन मे प्रारंभ हुआ। इस दौरान आचार्यश्री उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने किया थूवोनजी से विहार

ओम में विश्व गर्भित है ओम की आराधना कर ऊर्जा प्राप्त करें : आर्चायश्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। क्षेत्र पर रहने से मन की विशुद्ध बढ़ती चली जाती है अपने मन की विशुद्ध बढ़ाए रखने के लिए जब भी अवसर मिले तीर्थों की वंदना कर लिया करें। आज जो विरासत आपको दिख रही है इसको संभाले समारे और इसकी सुरक्षा करें उक्त आश्य के उद्गार अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय थूवोनजी में आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए मुनि संघ ने दोपहर बाद कदवाय की ओर पद विहार कर दिया । आचार्य श्री के श्री मुख से कविताएं सुनने को मिलीं। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने इसके पूर्व कहा कि सन 1987

में हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संस्मरण को गुरु मुख से सुनकर असीम आनंद की प्राप्ति हुई आज पूज्य श्री ने सतासी चातुर्मास के दौरान बनाई कविताओ में से चुनिंदा कविताएं पुण्य के योग से मिलीं है गुरु से वाणी मिलते तीर्थ पर आकर सब को भूल जाते हैं । तीर्थ क्षेत्र की महिमा बड़ी निराली है तीर्थ पर रहकर अपने भावों को संभालते चले जायेंगे तो आप मनुष्य पर्याय को सफल कर लेंगे। दोपहर बाद किया कदवाय के लिए विहार: आठ दिन के प्रवास के बाद आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ ने दोपहर बाद कदवाय की ओर विहार कर दिया आचार्य श्री को कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा आडिटर राजीव चन्देरी शैलेन्द्र ददा मनीष भइया नीलेश आरोन सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट कर कुछ दिन और रुकने का आग्रह किया इसके पहले आज सुबह दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के अभिषेक के साथ ही खड़े बाबा का अभिषेक उपरांत जगत कल्याण की कामना के लिए शान्तिधारा की गई इसका सौभाग्य सुनील कुमार स्वप्निल कुमार टी ए रानी जैन पिपरई शैलेन्द्र ददा अमित जैन रिक्की के साथ अन्य भक्तों ने किया।

श्रीजी महाराज आज से गोविन्द के दरबार में भक्तों को सुनाएंगे भागवत कथा

शुभारंभ पर निकलेगी भव्य लवाजमे के साथ शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

किशनगढ़ स्थित श्री निंबार्क पीठ के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरु श्री निंबाकाचार्य श्री श्रीजी महाराज श्री श्याम शरण देवाचार्य जी के श्रीमुख से जयपुर में पहली बार श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री गोविंद देव जी के मंदिर स्थित सत्संग भवन में शनिवार से होगा। 22 दिसम्बर तक चलने वाले इस ज्ञानयज्ञ में 108 विद्वान अष्टोत्तर शत भागवत पाठ का मूल पाठ करेंगे। कथा आयोजक ब्रजकिशोर ''बिरजू'' गोयल ने बताया कि कथा पूर्व कलश यात्रा शनिवार को मंदिर श्री आनंद कृष्ण बिहारी चांदनी चौक से दोपहर 12:30 बजे 51 महिलाओं की निकलेगी कलषयात्रा निकलेगी। इस मौके पर गूंज रही बैंडवादकों व भजनों की स्वर लहरियों के बीच 51 महिलाएं सिर पर मांगलिक कलश धारण कर चलेगी, वहीं कलशयात्रा में शामिल सैकड़ों महिलाएं व पुरुष श्रद्धालु भजनों की स्वर लहरियों पर नाचते-गाते हुए चलेगी। कलशयात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल श्री गोविंद देव जी के मंदिर पहुंचेगी, जहां पर आयोजक ब्रजकिशोर 'बिरजू' गोयल सपरिवार श्रीमद भागवत की पूजा-अर्चना कर कथावाचक श्री निंबार्क पीठ के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरु श्री निंबाकाचार्य श्री श्रीजी महाराज श्री श्याम शरण देवाचार्य जी महाराज का स्वागत व अभिनंदन करेंगे। इसके बाद महाराजश्री व्यासपाठ से भक्तों को श्रीमद् भागवत महापुराण महात्म्य और परीक्षित

शुकदेव मिलन की कथा सुनाएंगे। कथा आयोजक ब्रजकिशोर 'बिरजू' गोयल ने बताया कि दूसरे दिन 17 दिसंबर को देवहुति कपिल संवाद होगा। इसी प्रकार 18 दिसंबर को ध्रुव चरित्र एवं प्रहलाद चरित्र की कथा होगी। 19 दिसंबर को श्री राम अवतार, श्री कृष्ण जन्म एवं नंद उत्सव का आयोजन होगा। 20 दिसंबर को श्री कृष्ण बाल लीला एवं श्री गिरिराज पूजन का भक्तजन आनंद उठाएंगे, 21 दिसंबर को महारास एवं रुक्मणी मंगल कथा सुनाई जाएगी। 22 दिसंबर को महारास के साथ श्री कृष्ण- सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष की कथा होगी। इसी दिन कथा की पूर्णाहुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2बजे से शाम 6बजे तक होगी।

कामां पंचकल्याणक महोत्सव समिति का हुआ गठन

गजेंद्र जैन बड़जात्या जयपुर बने अध्यक्ष

कामा. कासं। सकल दिगंबर जैन समाज कामां की आम बैठक शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर में सत्येंद्र प्रसाद जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें आगामी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति का गठन करते हुए सर्वसम्मति से गजेंद्र जैन बड़जात्या जयपुर को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जैन समाज से प्राप्त सूचना के अनुसार बैठक में नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संजय जैन बडजात्या को महामंत्री

नियुक्त किया गया तो वहीं सत्येंद्र प्रसाद जैन, वीर चंद जैन दिल्ली परम संरक्षक, दयाचंद जैन कानूनगो, महावीर प्रसाद जैन पथराली वाले, सुभाष चंद्र अगोनिया, धन कुमार कोटा, शिखर चन्द जैन बड़जात्या, सुरेश जैन अगोनिया संरक्षक, उत्तम चंद, भागचंद बडजात्या वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुभाष चंद्र जैन बिजली वाले, कैलाश चंद टोंग्या, कपूर चंद जैन काका, भगवान दास जैन, राजेंद्र बड़जात्या जयपुर उपाध्यक्ष, प्रदीप जैन, संजय सर्राफ अनिल लहसरिया मंत्री, विकास जैन बड़जात्या जयपुर मुख्य संयोजक, अजय जैन दिल्ली, दीपक जैन सर्राफ, नवीन बडजात्या, प्रवीण जैन जयपुर संयोजक, उदयभान जैन जयपुर मुख्य समन्वयक, अरुण जैन बंटी, पंकज जैन पथराली वाले, वैभव जैन शेरा, मयंक जैन लहसरिया, अभिषेक जैन जयपुर समन्वयक, अशोक जैन जयपुर कोषाध्यक्ष, पारस जैन जयपुर, देवेंद्र बोलखेड़िया, मनीष बड़जात्या, शुभम जैन सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किये गये। मीटिंग में एक स्वर से युवाओं ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया। ज्ञात रहे जैन समाज द्वारा आगामी फरवरी माह में छह दिवसीय भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

श्रीराधा सरल बिहारी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का समापन

अशांत व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता, नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया आशीर्वाद, भक्तों ने खेली फूलों की होली

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड, बीलवा, मानपुर नांगल्या स्थित श्री राधा सरल बिहारी मंदिर में चल रहे श्री मद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के अंतिम दिन शुक्रवार को भागवत कथा में फूल होली महोत्सव विशेष धूमधाम से मनाय गया। इस मौके पर परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज ने होली खेल रहे बांके बिहारी... बांके बिहारी को देख छटा मेरे मन है गयो लटा-पटा... आदि भजनों को बड़े ही भाव के साथ गुनगुनाया गया,जिसमें आयोजक सरला गुप्ता, रजनीश गुप्ता व दीपिका गुप्ता सहित हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालु भाव विभोर होकर नाचे,इस दौरान कार्यक्रम स्थल श्री राधा कृष्ण के रंग में और भक्ति और आस्था के रंग में डूबे नजर आया। इससे पूर्व सुबह शपथ ग्रहण से पूर्व राजस्थान के नवनिर्वावित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भागवत कथा में परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज ने कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐष्वर्य की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों

सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। यह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा। कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर प्रकाश डालते हुए परम श्रद्धेय आचार्य मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परम शान्त थे, इसलिए सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे, क्योंकि उनके पास प्रभुनाम रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी। हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे। उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था। जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिकाधीश के पास जा सकें,परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जाए। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लाई और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गए। और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया। उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो में उसे बड़े ही आदर के साथ स्वाकार करता हूँ। प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी। आर्चाय श्री ने इस पावन सुदामा प्रसंग पर सार तत्व बताते हुए समझाया कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है,तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं ईमानदारी और सज्जनता से प्राप्त होता है। हवन व भंडारे के साथ कथा की पूणार्हुति हुई।

जैन समाज की मनु जैन ने अपनाया मोक्ष मार्ग

अंबाह में निकली भव्य बिलोनी यात्रा

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। मुरैना नगर की त्यागीव्रती श्राविका मनु जैन अपने आत्म कल्याण के लक्ष्य पर आगे बढ़ते हुए 17 दिसंबर को जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर जैन साध्वी बनेंगी जिसके चलते अम्बाह नगर में मनु जैन की भव्य बिनौली यात्रा निकाली गई। यह यात्रा महेशचंद्र नरेशचंद्र जैन एडवोकेट कॉलोनी के निवास स्थान से प्रारंभ हुई और शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बड़े जैन मंदिर पहुंची जहां गोद भराई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर नरेश चंद्र जैन शिक्षक ने बताया की जब किसी

भव्य आत्मा के ब्रह्मचर्य पथ पर आगे बढ़ते हुए जब दीक्षा धारण करने का समय आता है। तब समाज द्वारा यह शोभायात्रा निकाली जाती है नरेश चंद्र जैन ने बताया कि ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने के बाद घर में रहकर भी साधना की जा सकती है। लेकिन जैसे-जैसे वैराग्य की ओर कदम बढ़ते है। उसके बाद घर को पूरी तरह से त्याग दिया जाता है और दीक्षा3 लेने से पूर्व बिलोनी यात्रा निकल जाती है इसी दौरान आखरी साज श्रृंगार भी होता है जो समाज द्वारा किया जाता है रंगीन वस्त्र मुकुट मेंहदी चूड़ी दुल्हन की तरह दीक्षा लेने वाले को सजाया जाता है। उसके बाद सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर आत्मपथ की ओर कदम बढ़ाया जाता है इस मौके पर जैन संत विगुण सागर जी महाराज ने कहा कि समाज को आत्म कल्याण की राह दिखाने वाली आत्मा भव्य होती है इसमें जैन धर्म की दीक्षा लेने वाले तो अपना घर परिवार और सुख सुविधा को छोड़कर आत्म कल्याण के मार्ग पर चल पड़ते है संत श्री ने कहा कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले व्यक्ति अत्यंत पुण्यशाली और भाग्यवान होते है मनु जैन भी इस श्रृंखला में आने वाले एक महान मार्ग का चयन कर रही है भविष्य में उनके द्वारा किए जाने वाला धर्म प्रचार व पदयात्राएं जैन धर्म को अत्यंत आगे बढ़ाएंगे वहीं इससे पूर्व शोभा यात्रा का समय नगर वासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। इस मौके पर मनु जैन के परिजनों ने कहा कि हमने कोशिश तो की थी कि वह घर पर रहकर ही आत्म साधना करें लेकिन उनकी दृढ़ता के आगे हम हार गए। मनु धीरे-धीरे आगे बढ़ती गई और आज वह पूरी तरह से वैराग्य धारण कर रही हैं। जो की संपूर्ण मुरैना जिले के लिए सौभाग्य की बात है ।

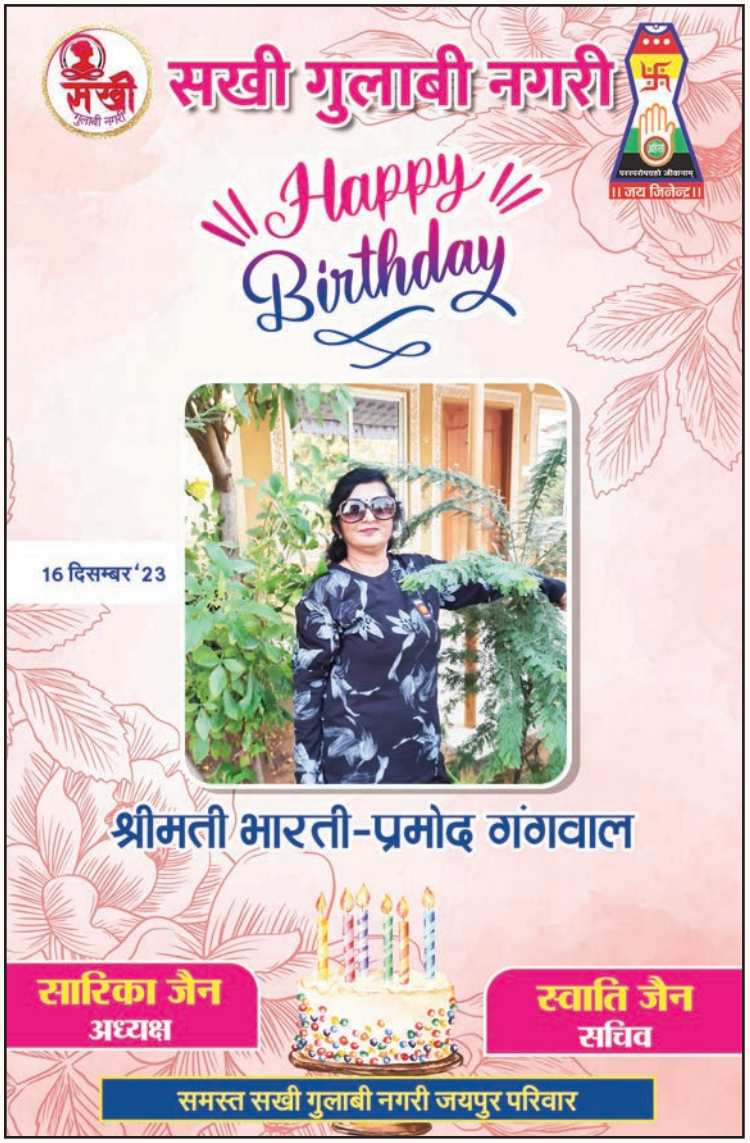

क्या बनेगा आज का युवा- सैम बहादुर या एनीमल?

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया के गलियारों में लगातार एक ही फिल्म की चचाएं गूंज रही हैं। जिसने बॉक्स ऑफिस कलैक्शन के मामले में हालिया रिलीज सारी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। लेकिन खास बात ये है कि रिकॉर्ड सिर्फ कमाई के मामले में ही नहीं, बल्कि दूसरे कई सारे मामलों में भी टूटा है। जैसे गाली-गोली का रिकॉर्ड, रक्तपात और हिंसा का रिकॉर्ड.....वगैरहा.....वगैरहा। लेकिन.....हमारे सभ्य, सुंस्कृत और अत्यन्त सम्भ्रांत निमार्ता एवं अभिनेता वर्ग को ये सोचना होगा कि मुनाफा कमाने की ये हौड़ हमारे समाज को किस ओर ले जा रही है। सिनेमा को समाज का आइना कहा जाता है, लेकिन अगर इस आइने में आज का युवा सिर्फ.हिंसा, गाली और खून-खराबे की तस्वीर ही देखेगा तो उसके अंतर्मन पर क्या प्रभाव पड़ेगा और उसका भविष्य किस ओर जाएगा। वो 'सैम बहादुर' जैसे देशभक्त वीरों के नक्शे कदम पर चलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बनेगा या एक अमीर बाप की बिगड़ैल औलाद बनकर दुनियाभर से बदला लेने वाला 'एनीमल' बन जाएगा। और इस बदले में एक्शन, रोमांस और स्टाइलाइजेशन का तड़का लगाकर हमारे तथाकथित आधुनिक फिल्ममेकर रही-सही कसर भी पूरी कर देते हैं। मतलब मखमल में लपेट कर जहर बुझे 'कांटों का ताज' युवा पीढ़ी को पहनाया जा रहा है। फिल्मों की ये हिंसा हमारे वेल एजुकेटिड यूथ को अंदर से इतना बेदर्द और बेखौफ बना रही है कि फिर ना तो वो किसी के घर में घुसकर दनादन गोलियां बरसाने से पीछे हटते हैं और ना ही किसी को मौत के घाट उतार कर

उसके 35 टुकड़े करने से। क्योंकि उन्हें लगता है कि 'थ्रिल' इसी में है। या उनकी भाषा में कहें तो इसी से उन्हें 'किक' मिलती है। अगर समय रहते हमने इस टिकट खिड़की के फेर से निकल कर अच्छा कॉन्टेंट सोसाइटी को नहीं दिया तो आज का ये मुनाफा हमारे बच्चों के आने वाले कल को रौंद डालेगा। युवा शक्ति को भी सिनेमा के संदर्भ में अपनी प्राथमिकताएं तय करनी होंगी कि उसे किसी रक्त रंजित बिगड़ैल नायक की छवि से भ्रमित होकर गर्त में जाना है या मस्तिष्क को सकारात्मकता से भर देने वाला 12वीं फेल, सैम बहादुर और ओएमजी 2 जैसा कॉन्टेन्ट देखकर अपने जीवन और समाज को सुखद ऊँचाइयों पर ले जाना है। फैसला आपका है।

ओमपाल सीलन, (असिस्टेंट प्रोफेसर)
पत्रकारिता विभाग, वीआईएफटी, उदयपुर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के जन्मदिन पर वृक्षारोपण किया

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। ऑक्सीजन जन आंदोलन एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के संयोजक वृक्ष मित्र श्रवण कुमार जाखड़ सांखू द्वारा राजकीय होम्योपैथिक औषधालय डूंडलोद में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिन पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर विनोद कुमार कंपाउंडर लक्ष्मीकांत तिवारी वृक्ष मित्र श्रवण कुमार जाखड़ सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे सभी ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। डॉक्टर विनोद कुमार ने बताया की औषधालय परिसर में वर्षा ऋतु में अनेक औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

राष्ट संत आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज का भव्य 25वां रजत दीक्षा दिवस एवं 50वा अवतरण दिवस 17 दिसंबर को

इंदोर. शाबाश इंडिया

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के चल रहे 2550 वें निर्वाण महोत्सव वर्ष में राष्ट संत आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज का भव्य 25 वां मुनि दीक्षा दिवस एवं रजत 50 वां अवतरण दिवस और मुनि श्री विश्व हर्ष सागर जी महाराज का प्रथम मुनि दीक्षा दिवस बड़ा गणपति स्थित, मोदी जी की नसिया में हजारों श्रद्धालुओं एवं समाज जन की उपस्थिति में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कार्यक्रम रविवार, 17 दिसंबर 23 को दोपहर 12. 27 बजे से प्रारंभ होगा। इस दिन विशेष रूप से विशेष कार्यक्रम गुरु पूजन, पाद प्रक्षालन, पिच्छी- कमंडल व शास्त्र जी भेंट सहित अन्य धार्मिक क्रियाएं होगी । आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज के 25 वर्षों की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। मुनि श्री विश्व हर्ष सागर जी महाराज के 1 वर्ष पूर्ण होने पर भी चर्चा होगी। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका ने ग्रुप सदस्यों एवं समाज जनों से निवेदन किया है कि इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com